



॥ राधा जी पूजा विधि ॥
॥ श्री राधे राधे ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ राधा जी पूजा विधि ॥

राधा जी पूजा विधि (संपूर्ण विधि)

श्री राधा रानी प्रेम, भक्ति, करुणा और कृपा की अधिष्ठात्री देवी हैं। मान्यता है कि जो भक्त सच्चे मन से राधा जी की पूजा करता है, उसे श्रीकृष्ण की कृपा भी सहज प्राप्त होती है। राधा जी की पूजा विशेष रूप से राधाष्टमी, शुक्रवार, पूर्णिमा, तथा कृष्ण जन्माष्टमी के अगले दिन करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

पूजा सामग्री

श्री राधा-कृष्ण की प्रतिमा या चित्र
लाल या गुलाबी वस्त्र
रोली, कुमकुम, हल्दी
अक्षत (चावल)
चंदन
ताजे पुष्प एवं पुष्पमाला
तुलसी दल (केवल श्रीकृष्ण को अर्पित करें)
धूप, दीप
घी का दीपक
पंचामृत
गंगाजल
फल, मिष्ठान, माखन-मिश्री
नारियल
पान, सुपारी
दक्षिणा

पूजा की तैयारी

प्रातः ब्रह्म मुहूर्त या सूर्योदय के बाद स्नान करें।

स्वच्छ या नए वस्त्र धारण करें।

पूजा स्थल को गंगाजल से शुद्ध करें।

पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके आसन ग्रहण करें।

चौकी पर लाल या गुलाबी वस्त्र बिछाकर राधा-कृष्ण की प्रतिमा स्थापित करें।

पूजा विधि

1. दीप प्रज्वलन

सबसे पहले घी का दीपक और धूप जलाकर भगवान का स्मरण करें।

2. गणेश वंदना

किसी भी शुभ कार्य से पहले श्री गणेश जी का ध्यान करें।

ॐ गं गणपतये नमः।

3. संकल्प

दाहिने हाथ में जल, पुष्प और अक्षत लेकर अपनी मनोकामना बोलते हुए संकल्प करें।

"मैं (अपना नाम) श्रद्धा एवं भक्ति के साथ श्री राधा रानी की पूजा कर रहा/रही हूँ। कृपया मेरी पूजा स्वीकार करें और मुझे प्रेम, भक्ति, सुख, शांति तथा श्रीकृष्ण की कृपा प्रदान करें।"

4. आवाहन

हाथ जोड़कर राधा रानी का ध्यान करें।

ॐ श्री राधिकायै नमः। आवाहयामि स्थापयामि।

5. स्नान

प्रतिमा हो तो गंगाजल एवं पंचामृत से स्नान कराएँ। यदि चित्र हो तो केवल गंगाजल का छिड़काव करें।

6. श्रृंगार

चंदन अर्पित करें।

कुमकुम लगाएँ।

पुष्प एवं माला अर्पित करें।

सुंदर वस्त्र एवं आभूषण (यदि उपलब्ध हों) अर्पित करें।

7. भोग

राधा-कृष्ण को माखन-मिश्री, खीर, फल, मेवा, पेड़ा या अन्य सात्विक मिठाई का भोग लगाएँ।

ध्यान रखें: तुलसी दल केवल श्रीकृष्ण को अर्पित किया जाता है, राधा जी को नहीं।

8. मंत्र जप

न्यूनतम 11, 21, 51 या 108 बार जप करें।

ॐ श्री राधिकायै नमः॥

या

राधे कृष्ण राधे कृष्ण कृष्ण कृष्ण राधे राधे।

राधे श्याम राधे श्याम श्याम श्याम राधे राधे॥

9. स्तुति

राधा अष्टकम्, राधा चालीसा, राधा कवच या राधा कृपा कटाक्ष स्तोत्र का पाठ करें।

10. आरती

राधा-कृष्ण की आरती करें और घंटी बजाकर भक्ति भाव से आरती गाएँ।

11. प्रार्थना

हाथ जोड़कर प्रार्थना करें—

हे श्री राधा रानी! मुझे निष्काम प्रेम, अटूट भक्ति, सद्बुद्धि, विनम्रता तथा श्रीकृष्ण के चरणों में अखंड अनुराग प्रदान करें। मेरे जीवन के सभी कष्ट दूर करें और अपने चरणों में स्थान दें।

12. प्रसाद वितरण

पूजा पूर्ण होने के बाद प्रसाद परिवार एवं अन्य भक्तों में वितरित करें।

पूजा के नियम

- पूजा के दिन सात्विक भोजन करें।
- क्रोध, कटु वचन और नकारात्मक विचारों से बचें।
- यथासंभव "राधे-राधे" नाम का स्मरण करते रहें।
- ब्रह्मचर्य एवं मन की पवित्रता बनाए रखें।
- गौ सेवा, तुलसी सेवा तथा जरूरतमंदों को दान करना शुभ माना जाता है।